

VDK01

एक वर्षीय डिप्लोमा, पाठ्यक्रम कर्मकाण्ड एवं पौरोहित परीक्षा
कर्मकाण्ड एवं पौरोहित

प्रथम प्रश्न-पत्र : देवपूजा एवं मुहुर्त

Roll No.

रोल नं.

Time : 1½ Hours / समय 1½ घंटा

Maximum Marks: 60 / पूर्णांक : 60

Signature of the Candidate / छात्र के हस्ताक्षर

Signature of the Invigilator / वीक्षक के हस्ताक्षर

INSTRUCTIONS/ निर्देश

1. The test booklet contains total 60 questions.
प्रश्नपत्र में कुल 60 प्रश्न हैं।
2. Candidate shall attempt any 30 questions. Each carry 2 (Two) marks.
विद्यार्थी कोई 30 प्रश्न हल करें, प्रत्येक प्रश्न 2 (दो) अंक का है।
3. No negative marking.
ऋणात्मक अंक देय नहीं है।
4. On receipt of test booklet, the candidate should immediately check it and ensure that it is complete in all respect. Discrepancy, if any, should be reported by the candidate to the invigilator within 10 minutes of receiving the test booklet.
छात्र को प्रश्न बुकलेट प्राप्त करते ही, सबसे पहले उसके कुल पृष्ठ तथा प्रश्न संख्या जाँच कर लें, यदि प्रश्न पत्र में कोई त्रुटि अथवा कटा-फटा हो, तो तुरन्त पर्यवेक्षक को 10 मिनट के अन्दर सूचित करावें।
5. The answer sheet is in the form of OMR answer sheet. Candidates should blacken the circle corresponding to correct answer.
उत्तर पत्रक OMR उत्तर पत्रक के रूप में है। छात्र को सभी प्रश्नों के उत्तर OMR शीट में देने हैं। छात्र को सही उत्तर के कॉलम को नीले / काले पेन से गहरा काला करना है।
6. For each question only 1 (One) circle should be blackened. If more than 1 (One) circle is found marked, the question will be treated un-attempted.
छात्र को प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 1 (एक) कॉलम में ही काला/नीला कर देना है। यदि 1 (एक) से अधिक काले/नीले गोले बनाये, तो वह प्रश्न नहीं पढ़ा जाएगा।
7. Candidate shall be required to deposit OMR answer sheet with the invigilator.
छात्र को OMR शीट उत्तर देने के पश्चात् पर्यवेक्षक को जमा करानी अनिवार्य है।

1. पवित्रीकरणम् के उद्देश्य क्या हैं?

(A) पूजा हेतु अन्तर बाह्य पवित्रता	(B) पूजा संभार का प्रोक्षण
(C) देव पूजा की नूतन सामग्री	(D) देव आराधना
2. सूतके मृतके चैव गते मास चतुष्टये ।। नव यज्ञोपवीतानि धृत्वा जीर्वाणि संत्यजेत् श्लोक के अनुसार कितने माह होने पर यज्ञोपवीत बदल देना चाहिए?

(A) चार माह	(B) तीन माह
(C) दो माह	(D) छः माह
3. यज्ञोपवीत में कुल कितने तन्तु होते हैं ओर ग्रन्थियाँ कितनी होती हैं?

(A) 6, 3	(B) 4, 6
(C) 9, 3	(D) 11, 4
4. आचमन का तात्पर्य जल पीने से है अथवा अन्य—

(A) पीने से	(B) छिडकने से
(C) अभिषेक से	(D) विसर्जन से
5. "स्वास्तनः इन्द्रो" यह मन्त्र पूजा के आरम्भ में किस विधि हेतु बोला जाता है?

(A) शिखा बंधन	(B) आचमन
(C) तिलक धारण	(D) प्राणायाम
6. पूरकः कुम्भक रेचक यह विधि किसमें प्रयुक्त होती है?

(A) तिलक धारण	(B) प्राणायाम
(C) देव पूजा	(D) कलशार्चन
7. भोजन के समय शिखा को क्या करना चाहिए?

(A) मुक्त करना	(B) ग्रंथी लगाना
(C) दोनों कर सकते हैं	(D) दोनों में कुछ नहीं
8. पूजन के आरम्भ में संकल्प क्यों लिया जाता है—

(A) अभीष्ट कामना की सिद्धि हेतु	(B) देवताओं के उपचार हेतु
(C) देवताओं की विशेषता बताने	(D) आचार्य के ज्ञान हेतु
9. घण्टा में कौन से देव की पूजा होती है?

(A) शिव	(B) इन्द्र
(C) कृष्ण	(D) गरुड

10. शंख पूजा में प्रायः कौन से द्रव्य भेंट नहीं होते हैं?
(A) पुष्प (B) गंध
(C) अक्षत (D) जल
11. घृत दीप देवता के किस ओर प्रज्ज्वलित करना चाहिए?
(A) बाएं (B) दाहिने
(C) सामने (D) पीछे
12. पंचोपचार पूजन में निम्न में से क्या नहीं है?
(A) गंध (B) पुष्प
(C) यज्ञोपवित (D) नैवेद्य
13. दिग्प्रक्षण में कौन सा द्रव्य प्रयुक्त होता है?
(A) हल्दी (B) सर्पव
(C) गुग्गुल (D) पुष्प
14. शिव पूजन में कौन से सूक्त के मन्त्र पढ़े जाते हैं?
(A) वरुण सूक्त (B) पवमान सूक्त
(C) रुद्र सूक्त (D) मैत्र सूक्त
15. पुरुष सूक्त का प्रयोग प्रायः निम्न में से किस देव पूजा में होता है?
(A) गणेश (B) विष्णु
(C) दुर्गा (D) इन तीनों में
16. कलश (जल से भरे) में कौन से मुख्य देवता का पूजन करते हैं?
(A) इन्द्र (B) मेघ
(C) वरुण (D) वायु
17. अंकुश मुद्रा में कौन सी अंगुली का विशेष संकेत है?
(A) अनामिका (B) मध्यमा
(C) तर्जनी (D) अंगुष्ठ
18. 'विकट' नाम किस देव के लिए है?
(A) गणेश (B) विष्णु
(C) रुद्र (D) वास्तुदेव
19. पूण्याहवाचन में किस की पूजा होती है?
(A) कलश (B) शंख
(C) यम (D) इन्द्र

20. 'विशंपार्थ दान' से क्या प्रयोजन है?
- (A) श्रीफल भेंट (B) दूर्वा भेंट
(C) कुश भेंट (D) अक्षत भेंट
21. सत्य वसु संज्ञक देवी की पूजा किस विधि में होती है?
- (A) मातृका पूजन (B) नांदी श्राद्ध
(C) कलशार्चन (D) वसोर्धारा पूजन
22. निम्न में से ग्रह समिधाओं का भिन्न क्रम बताइये—
- (A) अर्क, पलाश, खदिर (B) शमी, दुर्वा, कुश
(C) पलाश, खदिर, अपामार्ग (D) अर्क, खदिर, दुर्वा
23. द्राक्षा आमलक यवमूल निष्क्रीय भूत दक्षिणा किस पूजा में प्रयुक्त होती है?
- (A) नांदीश्राद्ध पितृ पूजा (B) गणेश षोडशोपचार पूजा
(C) विष्णु त्रिंशोपचार पूजा (D) रुद्राभिषेक पूजा
24. दश दिक्पालों में प्रथम कौन से देव हैं?
- (A) नैऋत्य (B) वरुण
(C) इन्द्र (D) ईशान
25. सोम किस दिशा के दिक्पाल देव हैं?
- (A) पूर्व (B) उत्तर
(C) ईशान (D) पश्चिम
26. निम्न में से कौन अधिदेवताओं में नहीं है?
- (A) वायु (B) इन्द्र
(C) नैऋत्य (D) इनमें से कोई नहीं
27. सूर्य के प्रत्यधि देवता कौन हैं?
- (A) अग्नि (B) स्कन्द
(C) विष्णु (D) प्रजापति
28. इनमें से पंचलोकपाल देवों का सही क्रम बताइये—
- (A) वायु, आकाश, अश्विनी, गणेश, दुर्गा (B) आकाश, वायु, गणेश, दुर्गा, अश्विनी
(C) गणेश, वायु, आकाश, अश्विनी, दुर्गा (D) गणेश, दुर्गा, वायु, आकाश, अश्विनी
29. नवग्रह होम में ग्रहों की (प्रति) आहुति संख्या क्या है?
- (A) 9 (B) 8
(C) 11 (D) 7

30. अधि देव और प्रत्यधि देव की प्रति आहुति कितनी-कितनी दी जाती हैं?
 (A) 4, 4 (B) 3, 3
 (C) 8, 8 (D) 7, 7
31. वराहृति किस देव को प्रदान को जाती है?
 (A) प्रजापति (B) गणेश
 (C) इन्द्र (D) सोम
32. वसोर्धारा में कितने देवताओं का आवाहन करते हैं?
 (A) 9 (B) 10
 (C) 7 (D) 8
33. परिस्तरण में प्रयुक्त होते हैं-
 (A) दर्भ (B) दुर्वा
 (C) कच्चा सूत (D) लच्छा
34. प्रणीता और प्रोक्षणी है-
 (A) यज्ञ में प्रयुक्त समिधाएँ (B) यज्ञीय द्रव्य
 (C) यज्ञीय काष्ठ (D) यज्ञीय पात्र
35. प्रधान देवता के दाहिने ओर किस देव का स्थापन होता है?
 (A) क्षेत्रपाल (B) वास्तु
 (C) नवग्रह (D) गणेश
36. यज्ञ वेदी में मेखलाओं की संख्या कितनी होती है?
 (A) 4 (B) 3
 (C) 2 (D) 5
37. ग्रह होम में किस नाम की अग्नि का पूजन होता है?
 (A) शतमंगल (B) योजक
 (C) वरद (D) मृड
38. भूमिकूर्मान्त पूजन से तात्पर्य है-
 (A) भूमि कूर्म और अनन्त का यज्ञ से पूर्व पूजन
 (B) भूमि कूर्म और अनन्त का यज्ञ के मध्य पूजन
 (C) भूमि कूर्म और अनन्त का यज्ञ के उपरान्त पूजन
 (D) भूमि कूर्म और अनन्त का यज्ञ के पूर्णाहुति में पूजन

39. उपलेपन क्रिया में द्रव्य होते हैं—
- (A) गोमय, जल (B) गोमूत्र, जल
(C) जल, दर्भ (D) गोमूत्र, गोमय
40. क्षेत्रपाल संख्या कितनी है?
- (A) 54 (B) 84
(C) 64 (D) 51
41. "गजाननायै नमः" मन्त्र निम्न में से किस देवता के लिए प्रयुक्त है?
- (A) योगिनी मण्डल (B) क्षेत्रपाल मण्डल
(C) मातृका मण्डल (D) सर्वतोभद्र मण्डल
42. मृड नाम अग्नि का पूजन किस होम में होता है?
- (A) वास्तु होम (B) पूर्णाहुति होम
(C) विवाह होम (D) ग्रह होम
43. घृत धारा किस होम में प्रयुक्त होती है?
- (A) वसोर्धाश में (B) पूर्णाहुति होम में
(C) दुर्गा होम में (D) नवग्रह होम में
44. प्रणीता और प्रोक्षणी पात्र के ऊपर रखे जाने वाली दर्भ पूंज को क्या कहते हैं?
- (A) उपयमन कुशा (B) ब्रम्हकूर्च
(C) पवित्रि (D) संमार्जन कुशा
45. पञ्चामृत से तात्पर्य है—
- (A) पय, दधि, धृत, मधु, शर्करा (B) पय, दधि, मधु, गोमूत्र, शर्करा
(C) गोमूत्र, गोमय, दधि, घी, जल (D) गोमूत्र, गोमय, दधि, मधु, कुशोदक
46. प्रथम आहुति किस देव की प्रदत्त है?
- (A) इन्द्र (B) गणेश
(C) विष्णु (D) प्रजापति
47. कुल राशियों की संख्या बताइये—
- (A) 9 (B) 11
(C) 12 (D) 10

48. एक राशि में नक्षत्रों के कुल चरण कितने होते हैं?
 (A) 7 (B) 9
 (C) 6 (D) 8
49. पुष्य नक्षत्र में जन्म लेने वाले बालक की राशि क्या होगी?
 (A) वृषभ (B) सिंह
 (C) कर्क (D) मकर
50. यज्ञ करवाने वाले प्रमुख पंडित की संज्ञा क्या है?
 (A) आचार्य (B) ऋत्विज
 (C) होता (D) द्रष्टा
51. षष्ठीपूजा में किस देव की पूजा होती है?
 (A) आदित्य (B) जीवन्तिका
 (C) गोरी (D) चन्द्र
52. श्रीसुक्त से किस देवता की पूजा होती है?
 (A) लक्ष्मी (B) शिव
 (C) विष्णु (D) सरस्वती
53. रुद्रों की संख्या बताइये—
 (A) द्वादश (B) त्रयोदश
 (C) एकादश (D) पञ्चदश
54. दूर्वा प्रमुखतः किस देव को भेंट करते हैं?
 (A) दुर्गा (B) गणेश
 (C) सूर्य (D) विष्णु
55. कौन से देवता की बिल्वपत्र से पूजा नहीं की जाती?
 (A) गणेश (B) दुर्गा
 (C) विष्णु (D) सूर्य
56. पूजन में प्रयुक्त देव स्नान पात्र को कहते हैं?
 (A) आचमनी (B) पञ्चपात्र
 (C) तरमणा (D) अर्घ्यपात्र

57. शिव नाम कौन सी राशी में आएगा?
- (A) कुंभ (B) मकर
(C) मेष (D) मीन
58. ब्रम्हा का स्थापन यज्ञ वेदी के पास किस दिशा में होगा?
- (A) पूर्व (B) दक्षिण
(C) उत्तर (D) पश्चिम
59. पूजन में यजमान किस दिशा में मुख करके बैठें?
- (A) पूर्व (B) दक्षिण
(C) नैऋत्य (D) वायव्य
60. निम्न में से पञ्चपल्लव में सम्मिलित है—
- (A) शमी पत्र (B) दुर्वा
(C) अर्क पत्र (D) अश्वत्थ पत्र